Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

मुआवजा राशि मिलने में सरकारी पेंच ने डाला खलल

क्षतिग्रस्त मकान का नाप भूमि में होना होगा अनिवार्य

कहर

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। सीमांत के बंगापानी तहसील के टांगा गांव व गैला गांवों में आई भीषण आपदा में क्षेत्र के आपदा पीड़ितों को अपना सब कुछ गंवा चुकने के बाद अब इनके समक्ष सरकारी मानकों का पेंच सामने आकर इनकी मुसीबते बढ़ा रहा है। बता दें कि क्षेत्र के आपदा पीड़ितों द्वारा बेनाप भूमि पर मकान बनाने के कारण इन प्रभावितों को सरकारी मानक से मदद मिलने के आसार कम ही नजर आ रहे है।

जानकारी के मुताबिक इन लोगों को अब आम जनता से मिलने वाली मदद पर पूरा निर्भर रहने के हालात बन गये है। जो भी क्षेत्र के लोगों को आम जनता से जितनी भी मदद वर्तमान समय में मिलने के आसार बन रहे है उसी के आधार पर ये लोग अपनी गुजर बसर करने के साथ ही अपने आगे की उम्मीदों को खड़ा कर नये जीवन जीने की चाह को बरकरार रख

सकते है।

जानकारी के मुताबिक बंगापानी तहसील के टांगा बांव में तीन मकान और गैला गांव में भी तीन मकान क्षतिग्रस्त हुए है। जो क्षेत्र में हालात बने है उसके मुताबिक इनमें चार मकान बेनाप भूमि पर बने हुए है। यदि बात की जाए सरकार द्वारा बनाये गये आपदा प्रबंधन अधिनियम की तो उसके मुताबिक क्षतिग्रस्त मकान का नाप भूमि में होना अनिवार्य है। नाप भूमि पर बने मकान में सरकार पूरी क्षतिपूर्ति का वहन खुद करती है और क्षतिपूर्ति पर पीड़ित व्यक्ति को मुआवजा सरकार द्वारा दिया जाता है।

जहां बेनाप भूमि पर मकान बना होगा उसमें मकानों का पूरा मुआवजा प्रभावितों को मिल पाना असंभव लगता है। सरकार द्वारा बनाये गये इन नियमों के चलते क्षेत्र के आपदा प्रभावितो को काफी मुसीबत की मार झेलनी पड़ सकती है। इस मानक के पेच के चलते टांगा व गैला गांव के आपदा प्रभावतों की मुश्किलें बढ़नें की काफी संभावना नजर आ रही है।

बीते साल 2013 में सीमांत तहसील मुंसयारी के गावों में आई भीणण आपदा के दौरान कई दर्जनों मकान बेनाप भूमि पर बने थे जो क्षतिग्रस्त भी हुए थे। ऐसे हालातों में आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत क्षतिग्रस्त मकान का बेनाप भूमि पर बने होने से क्षेत्र के आपदा प्रभावितों को मुआवजा राशि लेने में परेशानी से दो चार होना पड़ा था। वही जिला प्रशासन के अपर जिलाअधिकारी आरडी पालीवाल ने कहा है कि क्षेत्र में जिन आपदा प्रभावितों के मकान क्षतिग्रस्त हुए है उन्हें प्रशासन द्वारा हर संभव मदद दी जायेगी।

न्यूज डायरी

जिला उपभोक्ता फोरम ने उपभोक्ता सेवा में कमी का दोषी पाया

संवाददाता हरिद्वार। जिला उपभोक्ता फोरम ने स्थानीय विक्रेता व फ्रिज निर्माता कंपनी के प्रबंधक को उपभोक्ता सेवा में कमी करने का दोषी पाया है। फोरम ने स्थानीय विक्रेता व प्रबंधक को क्षतिपूर्ति के रूप में पांच लाख रुपये, फ्रिज की कीमत 11 हजार 900 रुपये, मानसिक पीड़ा पहुंचाने के दस हजार रुपये व शिकायत खर्च के रूप में पांच हजार रुपये शिकायतकर्ता को अदा करने के आदेश दिए हैं। तय अवधि में उक्त राशि नहीं देने पर शिकायतकर्ता इन दोनों से उक्त राशि पर छह प्रतिशत ब्याज पाने का अधिकारी होगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्याथियों को किया सम्मानित

संवाददाता हरिद्वार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी के गृहराज्य गुजरात से करीब बारह सौ किमी. दूर गंगा के किनारे बसे हरिद्वार में गुजराती परिवार की रचनात्मक गतिविधियाँ देखने को मिलती है। यहाँ बसे हरिद्वार गुज्जू परिवार कोरोना महामारी के दौरान जरूरतमंद लोगों तक न केवल भोजन व अन्य राहत सामग्री पहुंचाई, वरन् उसे हर संभव मदद करने के लिए अपनी माटी की सुगंध छोड़ी। ऐसा माना जाता है कि जहाँ गुजराती परिवार बसता है, वहाँ वे अपने वैचारिक एकजुटता का परिचय देते है और जरूरतमंदों को हरसंभव सहयोग एवं प्रोत्साहित करने के लिए सदैव अपने हाथ आगे बढ़ाते हैं।

होम्योपैथिक औषधि आर्सेनिक एल्बो 30 का किया वितरण

संवाददाता देहरादून। नागरिक सुरक्षा संगठन पोस्ट 5 द्वारा व आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं उत्तराखंड सरकार के निर्देशानुसार होम्योपैथिक चिकित्सा विभाग उत्तराखंड जनपद देहरादून द्वारा कोरोना वायरस कोविद–19 से बचाव एवं शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए होम्योपैथिक औषधि आर्सेनिक एल्बो 30 नि:शुल्क वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

श्रीदेव सुमन को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल ने 42 वां स्थापना दिवस दल के केन्द्रीय कार्यालय में मनाया तथा श्रीदेव सुमन की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता दल के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ए पी जुयाल ने की। इस अवसर पर श्रीदेव सुमन को श्रद्धांजलि देते हुए उनके बलिदान पर ए पी जुयाल ने बताया कि श्रीदेव सुमन के त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नही जा सकता है।

सीएम ने कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के अदम्य साहस व शौर्य को नमन करते हुए वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में सैनिकों की वीरता व बलिदान की लम्बी परम्परा रही है। कारगिल युद्ध में बड़ी संख्या में उत्तराखण्ड के सपूतों ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों के कल्याण के लिए वचनबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद सैनिकों के परिवार के एक सदस्य को उसकी योग्यता अनुसार सरकार द्वारा सेवायोजित किया जा रहा है। पूर्व सैनिकों/वीरांगनाओं और उनके आश्रितों को स्वावलम्बी बनाने के लिए सभी जिलों में कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सैनिकों व पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रदेश स्तर पर अपर मुख्य सचिव नोडल आफिसर है जबकि प्रत्येक जनपद में सैनिकों व पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए अपर जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री ने दी अमर शहीद श्रीदेव सुमन को श्रद्धांजलि

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने अमर शहीद श्रीदेव सुमन की पुण्य तिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि अमर शहीद श्रीदेव सुमन संघर्ष एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि टिहरी जन क्रांति के नायक श्रीदेव सुमन देश के महान सपूत थे। स्व. श्रीदेव सुमन ने महात्मा गांधी के सत्य व अहिंसा का संदेश लेकर जन जागृति की एक नई अलख जगाई थी। मुख्यमंत्री ने स्व. श्रीदेव सुमन को महान स्वतंत्रता सेनानी बताते हुए कहा कि उन्होंने एक महानायक के रूप में जिस प्रकार जन क्रांति का नेतृत्व किया वह हम सबके लिये प्रेरणादायी है। उनके महान आदर्श हमें सदैव प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे।

उपनल संविदा कर्मचारियों का जिले में जारी है प्रदर्शन

सवांददाता

पिथौरागढ़। जिले के उपनल संविदा कर्मचारियों का सांकेतिक प्रदर्शन जिले के समस्त कार्यालयों स्वास्थ विभाग उतराखंड, परिवहन निगम निर्वाचन, आईटीआई, एसआईटी,उच्च शिक्षा,पीडब्लूडी सेल टैक्स,उद्यान विभाग,रमसा आदि में प्रदर्शन जारी है।

जिले के समस्त उपनल कर्मचारियों ने सरकार के विरोध में काले फीते बाधकार प्रदर्शन किया। उपनल कर्मचारियों का कहना है कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय द्वारा उपनल कर्मचारियों के पक्ष में दिये गये निर्णय 'समान कार्य समान वेतन' एवं नियमतीकरण को लागू नही कर रही है और न ही मुख्यमंत्री के घोषणा पत्र 9 नंवबर 2019 को पूरा किया जा रहा है। जिसमें उपनल कर्मियों की वेतन वृद्वि का जिक्र है। कोरोना जैसी महामारी में भी जिले व राज्य में तमाम उपनल संविदा कर्मियों द्वारा सेवा दी गई। उनको ऐसे में उनकी सेवा से निकाला जा रहा है। ऐसे में नाराज संविदा उपनल कर्मियों ने सरकार के विरोध मे आगामी 27 जुलाई को सामूहिक रक्तदान करने का फैंसला लिया है। दूसरी ओर कार्य बहिष्कार पर जाने की चेतावनी भी दे डाली है।

इस दौरान प्रदर्शन करने वालो में उपनल संविदा कर्मचारी के जिला अध्यक्ष त्रिभुवन बसेडा,नरेश रौतेला व दीपक खाती और तमाम संविदा उपनल कर्मचारी मौजूद रहे।

लॉकडाउन का उल्लंघन व बिना मॉस्क के लोगों का चालान

देहरादून। लॉकडाउन का उल्लंघन करने व बिना मॉस्क वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ा अभियान चलाया हुआ है और राजधानी के प्रमुख चौराहों के साथ ही साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलिस का यह अभियान जोरों पर चल रहा है और बिना मॉस्क के घूम रहे लोगों पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए उनका चालान काटा है। राजधानी व आसपास के क्षेत्रों में पुलिस द्वारा नियमित रूप से अभियान चलाकर बिना मॉस्क पहने घूम रहे लोगों पर कार्यवाही की जा रही है और पुलिस ने लॉकडाउन का उल्लंघन करने व बिना मॉस्क के सड़क पर घूमने वाले लोगों पर पुलिस व सीपीयू ने उनका चालान किया और राजस्व को बढ़ाने का काम किया और वहीं मॉस्क पहनने की सलाह दी।

पुलिस ने सड़कों पर मॉस्क न पहनने वालों के खिलाफ अभियान चलाया और ऐसे लोगों का चालान काटकर उन्हें नसीहत दी। इस अवसर पर पुलिस ने मॉस्क न लगाने वाले कई लोगों के खिलाफ पुलिस अधिनियम में कार्रवाई की और वहीं वाहन चालकों के चालान काटे।